ब्रह्मोस मिसाइल यूनिट का बिजलीघर तैयार

लेसा ने बिजलीघर पर खर्च किए 29 करोड़, सात माह में दौड़ा करंट

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। भारत एवं रूस के संयुक्त उपक्रम ब्रह्मोस मिसाइल की लखनऊ में स्थापित हो रही यूनिट को बिजली आपूर्ति करने के लिए 15 एमवीए क्षमता का बिजलीघर तैयार हो गया है। इसे शनिवार को चार्ज कर दिया गया है। यानी इसमें करंट दौड़ने लगा है। हालांकि, सिविल इकाई छिटपुट कार्य करा रही है। लेसा ने 33 केवी के इस बिजलीघर को तैयार करने के लिए करीब 29 करोड़ रुपये खर्च किए हैं।

निर्माण सर्किल के अधीक्षण अभियंता गुरुजीत सिंह ने बताया कि डिफेंस कॉरिडोर के तहत कानपुर रोड के बंथरा क्षेत्र स्थित भटगांव ग्राम पंचायत के बचान खेड़ा में डीआरडीओ ब्रह्मोस मिसाइल यूनिट का निर्माण करा रहा है। इस बिजलीघर से सिर्फ मिसाइल यूनिट को ही आपूर्ति होगी, लेकिन इमरजेंसी में आसपास के गांव का भी संकट दूर किया जा सकता है।

इस बिजलीघर में 10 एवं 5 एमवीए क्षमता के दो ट्रांसफार्मर स्थापित किए गए हैं। शनिवार को दोनों ट्रांसफार्मर एवं लाइन में करंट पहुंचाकर इन्हें चार्ज कर दिया गया है। बिजलीघर के निर्माण की शुरुआत 24 नवंबर 2023 से हुई थी, जो लगभग सात माह में पूरी हो गई है। ब्रह्मोस मिसाइल यूनिट में वर्ष 2026 से मिसाइल बनने लगेगी। इस यूनिट की सालाना उत्पादन क्षमता 80 से 100 मिसाइल की होगी।

ब्रह्मोस मिसाइल यूनिट का बिजली घर। -संवाद

10 हजार परिवार की चलेगी जीविका : ब्रह्मोस मिसाइल यूनिट के चालू होने से 10 हजार परिवारों की जीविका चलेगी। यहां पर प्रत्यक्ष रूप से लगभग 500 इंजीनियरों एवं 5000 कामगारों को रोजगार मिलेगा। वहीं, परोक्ष रूप से 5000 परिवारों की जीविका चलेगी। ब्रह्मोस मिसाइल यूनिट के लिए औद्योगिक इकाइयां काम करेंगी।

2500 किलोवाट का मांगा पहला कनेक्शन

सेस खंड प्रथम के एक्सईएन दुर्गेश कुमार यादव ने बताया कि ब्रह्मोस मिसाइल यूनिट के लिए डीआरडीओ ने 2500 किलोवाट का पहला बिजली कनेक्शन मांगा है। इस कनेक्शन का लोड स्वीकृत करने की प्रक्रिया चल रही है।

यूनिट चालू होने से पहले बिजलीघर शुरू

ब्रह्मोस मिसाइल यूनिट के चालू होने से पहले ही लेसा ने बिजलीघर शुरू कर दिया है। 11 हजार वोल्ट के चार फीडर तैयार हो चुके हैं। इस बिजलीघर से ब्रह्मोस मिसाइल यूनिट एवं उससे संबंधित औद्योगिक इकाइयों को बिजली आपूर्ति की जाएगी। **रजत जुनेजा, मुख्य अभियंता अमौसी जोन लेसा**